

अवरोधन पुं. (तत्.) अवरोध करने की क्रिया या भाव, रोकना, दबाना अवरुद्ध करना, सेंसर करना खेल. 1. पास, किक या प्रहार को रोकना अथवा उसकी दिशा में परिवर्तन करना 2. विरोधी खिलाड़ी की बढ़त में बाधा डालना।

अवरोधवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. बाधा डालने की प्रवृत्ति या स्वभाव 2. बाधा प्रस्तुत करने की शैली 3. सोच-समझकर बाधा उत्पन्न करने की योजना।

अवरोधिक वि. 1. रोकने वाला 2. घेरने वाला पुं. (तत्.) अंतःपुर का प्रहरी।

अवरोधित वि. (तत्.) 1. रोका हुआ, बाधित 2. घेरा हुआ।

अवरोधी वि. (तत्.) अवरोध करने वाला, रोकने वाला।

अवरोपण पुं. (तत्.) 1. उन्मूलन, उखाड़ना 2. नीचे उतारना 3. हटाना।

अवरोपणीय वि. (तत्.) 1. उखाड़ने लायक, अस्थिर करने लायक 2. मुक्त करने योग्य। विलो. आरोपणीय।

अवरोपित वि. (तत्.) 1. उखाड़ा गया, उखड़ा 2. मुक्त, आरोप मुक्त।

अवरोह पुं. (तत्.) 1. उतार-गिराव 2. अधःपतन, अवनति 3. संगीत के स्वरों का उतार 4. पौधे या बेल के मूल से प्रशाखाओं का नीचे की ओर निकलना।

अवरोहक वि. (तत्.) गिरने वाला, अवनति करने वाला पुं. अश्वगंध।

अवरोहण पुं. (तत्.) 1. नीचे की ओर जाना, पतन, गिरना, गिराव 2. रोपण (पौधे का)।

अवरोहना अ.क्रि. (तत्.) 1. नीचे आना, उतरना 2. चढ़ना स.क्रि. 1. खींचना, चित्रित करना 2. रोकना, बाड़ बना कर घेरना, रूँधना, छेंकना।

अवरोहशाखी वि. (तत्.) जिसकी शाखाएँ नीचे की ओर आ रही हो पुं. बरगद का वृक्ष।

अवरोहिणी स्त्री. (तत्.) ज्यो. नक्षत्रों के विषम स्थितियों पर पहुँचने के कारण अनिष्ट दशा।

अवरोहित वि. (तत्.) 1. गिरने वाला, अवनत 2. हीन।

अवरोही वि. (तत्.) ऊपर से नीचे की ओर उतरने वाला।

अवरोहीकर पुं. (तत्.) अर्थ. एक विशिष्ट अर्थव्यवस्था के अनुसार बढ़ते हुए कराधान पर लगने वाला अवरोही कर, जैसे- 10 लाख रु. की वार्षिक आय पर यदि 10 प्रतिशत कर लगता है तो इस व्यवस्था में 20 लाख रु. की आय पर इससे कम (7 प्रतिशत या 6 प्रतिशत) कर लिया जाएगा टि. वस्तुतः इससे सरकार को घाटा नहीं प्रत्युत कराधान बढ़ने के कारण लाभ ही होता है तथा करदाता को प्रोत्साहन मिलने के कारण वह आय बढ़ाने का प्रयत्न करता है। regressive tax

अवरोही क्रम पुं. (तत्.) किसी सूचीगत स्थिति की उच्चतम से निम्नतम के क्रम में उपस्थिति, जैसे- 4, 3, 2, 1 descending order तु. आरोही क्रम।

अवरोही पात पुं. (तत्.) खगो. वह पात जहाँ से ग्रह की गति नीचे की ओर अर्थात् दक्षिण की ओर होती है टि. पृथ्वी की परिक्रमा करते समय चंद्रमा का मार्ग 5 का कोण बनाता है अर्थात् भूमध्य रेखा के और चन्द्र मार्ग के बीच 5 का कोण बनता है, ऐसी स्थिति में दोनों काल्पनिक वलय एक-दूसरे को दो बिंदुओं पर काटते हैं, एक बिंदु से चंद्रमा ऊपर (उत्तर) की ओर जाता है तथा दूसरे बिंदु से पुनः दक्षिण की ओर आने लगता है, पहला बिंदु (पात या नोड) 'आरोही पात' कहा जाता है तथा दूसरा बिंदु 'अवरोही पात' कहलाता है, इन्हें ही भारतीय ज्योतिष में क्रमशः राहु और केतु नाम दिए गए हैं। descending node

अवरोही श्रेढी स्त्री. (तत्.) गणि. वह श्रेणी जिसमें क्रमागत संख्याओं का मान क्रमशः कम होता